

প্রতিক্রিয়া মাঝে আমার
বাপারে নাক গলাতে স্বাপন
সে এক্ষেত্রে আমার বাড়ি
চারাদিকে কেড়া হিলে হি !



এই খোঁটুড়ির মাঝাটো ছাতল
থেকে ছিটকে মেরিয়ে পেলো ।





याः! एकारे शौचित्रालाई
म्हेच्छि भाउला!



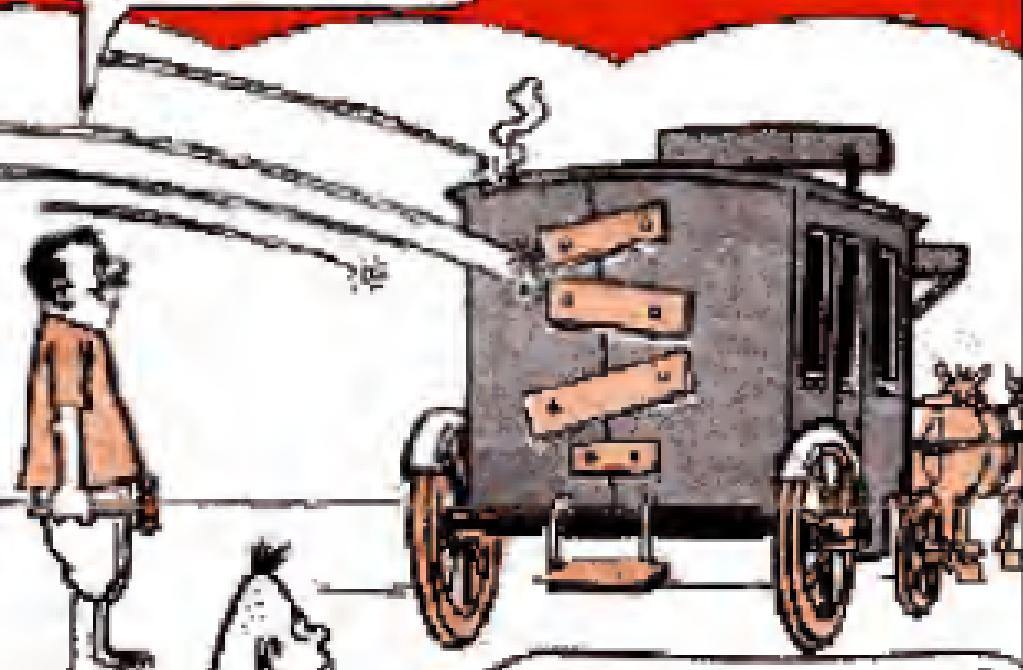
भुवाला दुष्ट कलाकार्य
त्रुक्तसा थासा मिल्ला आला नेजा
हरन। एकला आर भाउले
ला।



बास, एकारे आर भाउलार
जम्म लेरे।



આક, ગાડિઓનું અલંક કર્યો
ફેરામણ કરતો હશે!

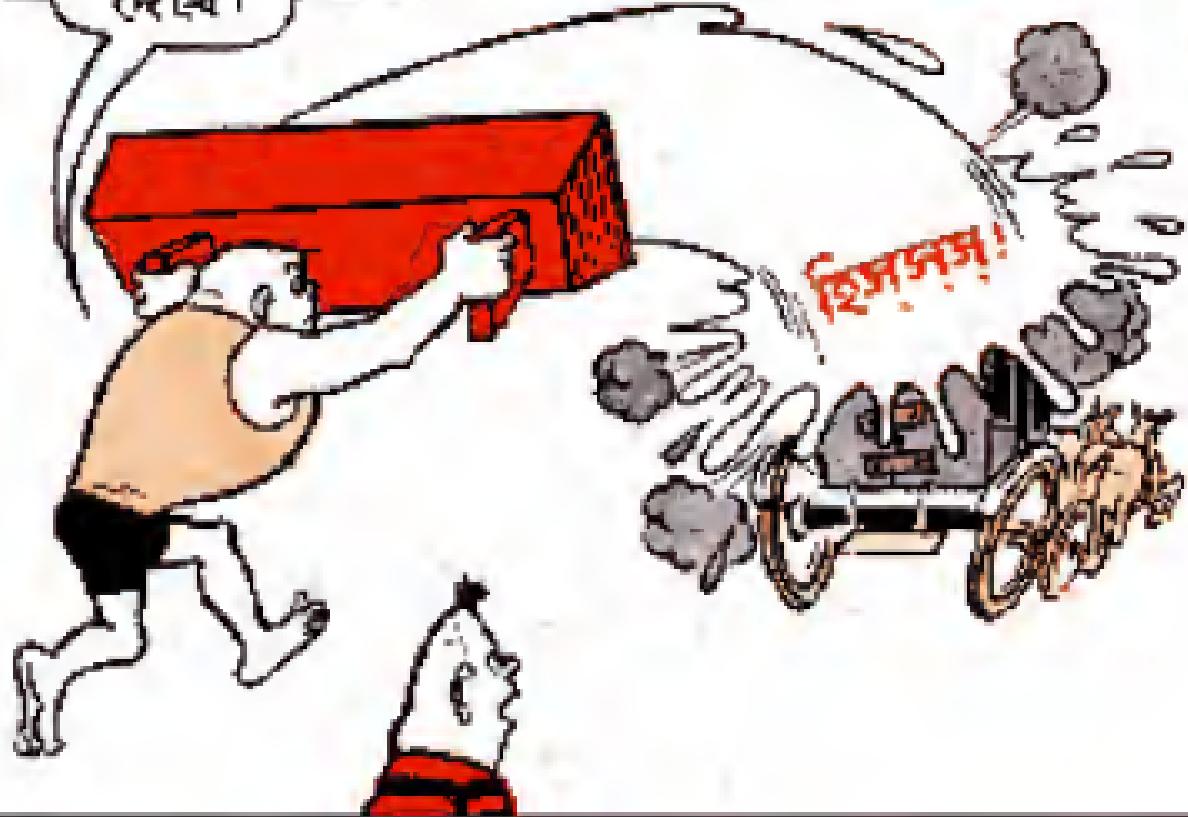


થૈરેસનું! બોટલદાન આજુદી
થેકે આનાલેની મૂલકિ એસે
ગાડિએ પડ્યાછે!

દ્વારથી રોંગ્લેલાંઠા, ગાડિએ આજુન ધર્ભ
આપુણાણ ઘોડા મૂરણો ઉફુકે ચિંતા
છુટેણ શુદ્ધ કરતાછે!



शाब्दिकात्मक किट्ट लाए। एवं
जहलाउ जन्म ठाठा करते
देख।



उट्ट आम धारा, आप्प्लिस करतास ?
आचुम सिंगारा योजाशि !



বাঁটুল, তোমাকে আমর গাঁটের পায়সা
খরাচ করে বেড়া দিতে হবে না শুনি,
আমরাই দিয়ে দেবো। আমর সেজাপ্ত
হবে আমাটুর পক্ষে তিরাপদ!



বেঁটুল, সচ্ছা পাড়াটোকে বেড়া
দিয়ে দিনে ফেলে পাজা দেখে তোমাকে
একেবারে একাম্বরে করে দেশেলাছ।







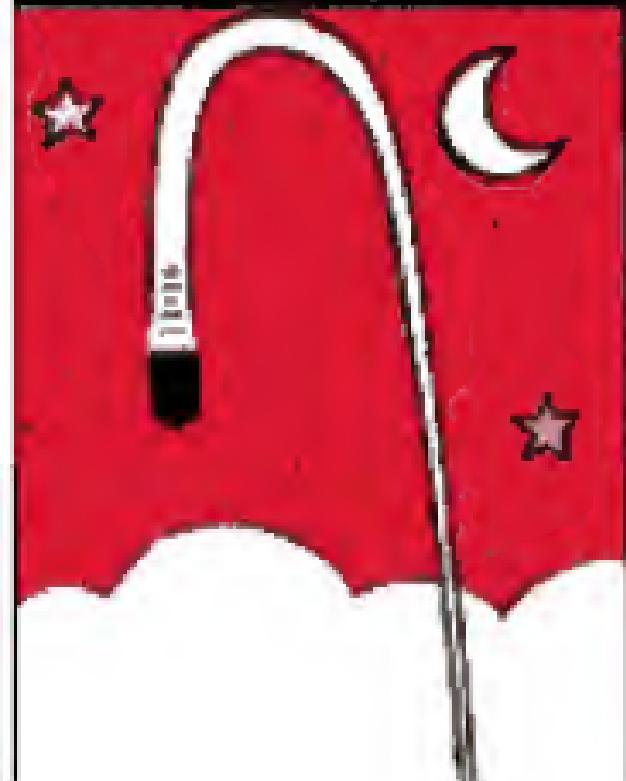




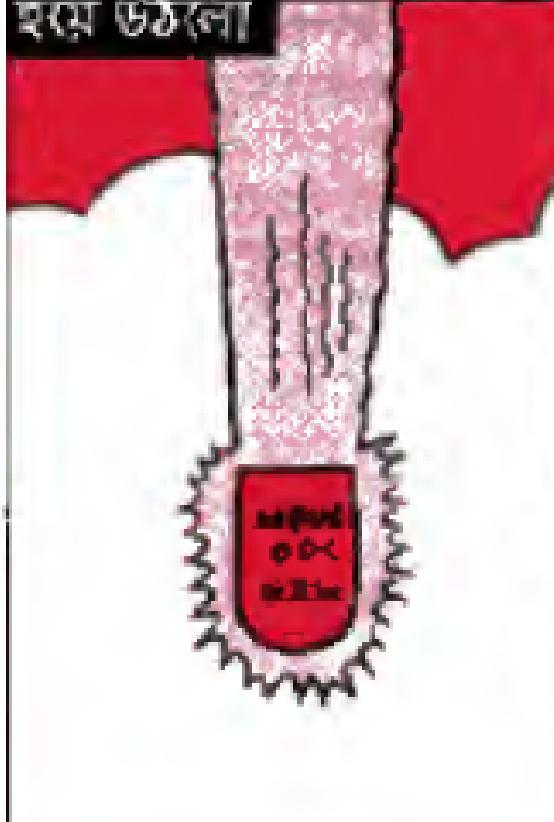
ବିଜୁ ଶକୁନାଟି ଗାୟେ ଖରେ ପୋଖାଣୀବଳେ



ଦେ ମାଇସ୍‌ଟୋତାଟୋ ଖାନାର ମୀଳେ
ଅଭା ପୁନଃ ଆଗେ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଓପର
ଆବୋ ଓପର ଉଠେ ଗେଲା ।



ଏହା ଏହା ବିଶେ କାହାତେ ଲାଗିଲା
ଯେ ସର୍ବଧିନ ଜାତିର ଉତ୍ସାହର ଲାଲ
ହେଲେ ଉଠେଲା



ଉଠେ ଏହା ପଡ଼ିଲା
ଦ୍ୱାରିଯେ ଥରା
ଏକଟା ପେଟ୍ରୋଲ
ଟୋକାଗାରେ
ଓପରେ ଏବଂ-







সবাই কলাচে একই এই শহুরে একদল দোর এসেছে
তাপ্তার পর সেগুলোমৰ দিকে কোনো সাধকলা না
মোমাবক ঝুঁলি আছেও হিলে কেমত ইয়ে ?















(ପାଲିଯେ ଯାଉଥା ପରିଲା ତିଆ ଆମରା ଏକଟେ ଫିଲ୍ମ କରାଛି । ଆମରା
ଆମରା ଚାହିଁ ଜୁମି ଏକଟେ ପାଠ୍ ତାଓ, ବୌଟୁଳ !)



ଶୁଣିକି ଏହି ପରିଲାର ଗୋପାକାଟୀ ଗାନ୍ଧେ ଲାବ ?
ସାଠିକମ୍ ପରିଲାର ବ୍ୟବଥାର କରା ଆପି,
ସାଂଘାତିକ ବିପର୍ଦ୍ଧକ !





ଏକୁ ବେଳୀ ଜାବଧାମେ ବୈଟନ,
ଆମରୀ ଏବାର ପରେଇ ଦୂଷ୍ୟ ଥାବା।



(ଆମି ଚାହେ ତୁମି ଓଇ କମଳା ଥିକେ ପର୍ଜନ ଆମ
ଗରଗର ଶବ୍ଦ କରେ ଆଜମ୍ବେ
କରଣେ ଆସିବୁ।



ଏଠା କେଣ ଦାରୁଣ ମଜାଦାର
ବ୍ୟାପାର! ପାଇଁ ପାଇଁ
ଗରମ୍!



ମରିଛେ! ଓ ସତରଷୀ ହାତ ଆବଶ୍ୟକ
କରିଛେ - କୋଥାମ ଯାଏଇଁ ପେଟ୍ଟା ଦେଖ୍ୟ,
ଧୀରୁଳ ।















બયાર જાસ્તિ વઠો મિસ્ક શાલ
નેથી લુટાજ દ્વારા ટોલસા!



માદાઢ! ખયાંઝો પ્રાચુર્ય ટ્રોન જાતાંક
પેછું દિસ્ક જેલ તિસ્રી શાંક!



બરેષ, બરેષ!
ઉત્તે પ્રાદા! એણે
યાંગે કારૂણ નોંધુલ!























सिसलाल यीवार द्येश कराफ
पाहेवळे। ज्यासन्ता भाट्यांचांतो
दूरभास्य खाटीक किंतु सज्जा
करति! ज्यासिं ही जात्र उभास्य
उत्तमेन्द्र एकांठो ऊरे
करते राखि।

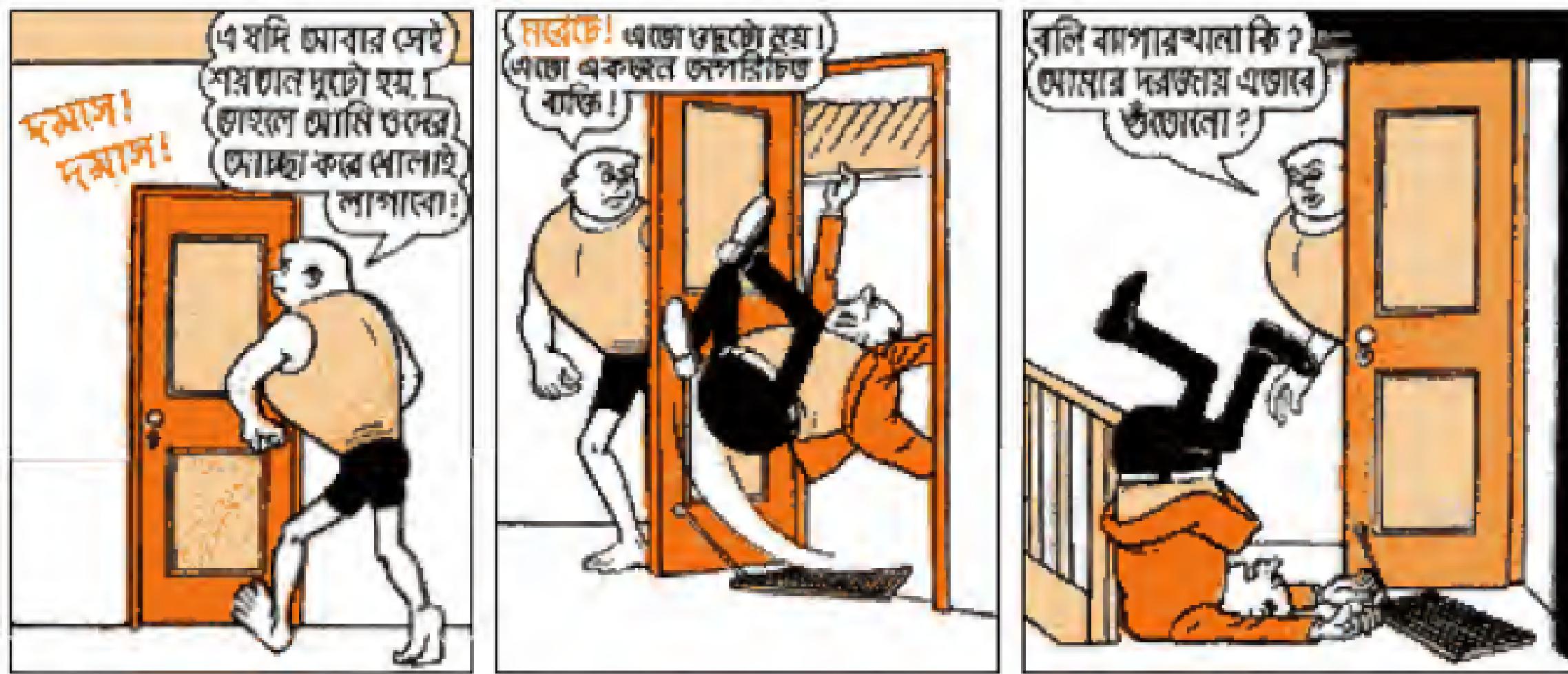
(यीवार घासरा पालो शाहडे
उगर एकांठो तुषारमात्र
तेंति बसाचि!

(जर काज शेष यीवार आति द्वाजाय
एकांठो आयो!)















ଶ୍ରୀରତ୍ନ ପିଲାମ୍ବ ଅବାଇକ
(ଲିଙ୍ଗ ସାମିବାଡ଼ି ବୋଜୁଣ୍ଡ
ଏଥେଣ୍ଟି । ଫୋଟ୍ ପାର୍ଶ୍ଵାଏକ)
ହାତାଟୀ ଜନମ ଦିଲ୍ଲୀ ମୁଖୋଯ
ଅନ୍ତିଃଭୀ ଧାଳାଯ ମାଛି ।



(ଆବାର ବରଦ ପଢ଼)
ଆୟ ଦରଜାର ମରାନ
ଭୁଟୁ ହୁୟ କଲାଇ ।



(ଶ୍ରୀରତ୍ନ ବରଦ ଲାଗି
ପଥ କାହା ଚଲାଯ ଆସ
ଭୁରୈ ଢାଳେବାପି ।



(ମେଘ ଅର୍ଧିଜ ଥାନ୍ତେ
ଦରଜାର କାହେ କିମ୍ବ
ଏଥେଣ୍ଟି ।



(ଭିଜର ଆଶ୍ରମ
କରିବା ବରଦକ ଦରାନ୍ତ
କବା ଏମାର ଓ ଧାରା
ଏଥେଣ୍ଟି କାହିଁ ।





(ता, लैंटि उच्चार देवे ! ताश्ल इंटि देवे !
सरकेव सत्या शतिस्तु लोहन !



(जीर्जासारे ! आपलि कि उच्चार ?



(ता, लैंटि उच्चार देवे !



(ଶେଷ) ଆମି ଯଥିଲ ଡିକ୍ଟର ଏବେ ହିଲାମ୍
(ପରତ ଆମି ଅବଶ୍ୟକ କଣ୍ଠ ଦରଖାଟା)
(ହିଲାମ୍ ବ୍ୟାର ଆମି ସହି କଣ୍ଠାଟା)
ଡିକ୍ଟର ନିକେ ଜୀବିତରେ ଏଠା ହାତବା।

















लेटेफ यात्रेजार्य लिन्देन्स तसामि
सुलहते पाहिला - विष्णु आमिर इक्के
दोहऱ्यांतो छाप्यु राख्यावा। उः! आमि
विकुण्ठे शैला मंजुरी!



आमि एखात ठिकावाहि! आमि
इक्काते पाहिले ए माज्याव काउंबु
लगासोळी धर्व आवह!

जाहायेन जलतो आमि
चुटे खिलाडी याहि!



(नेपाली भाषा में जहाना खासियत है कि वार्षिक संस्कृतीय बलभाली जोका होता है ! वार्षिक एवं वार्षिक सोलसाल होते हैं - ये कठोर त्रुटों और शोषणों द्वारा उत्पन्न होते हैं।)







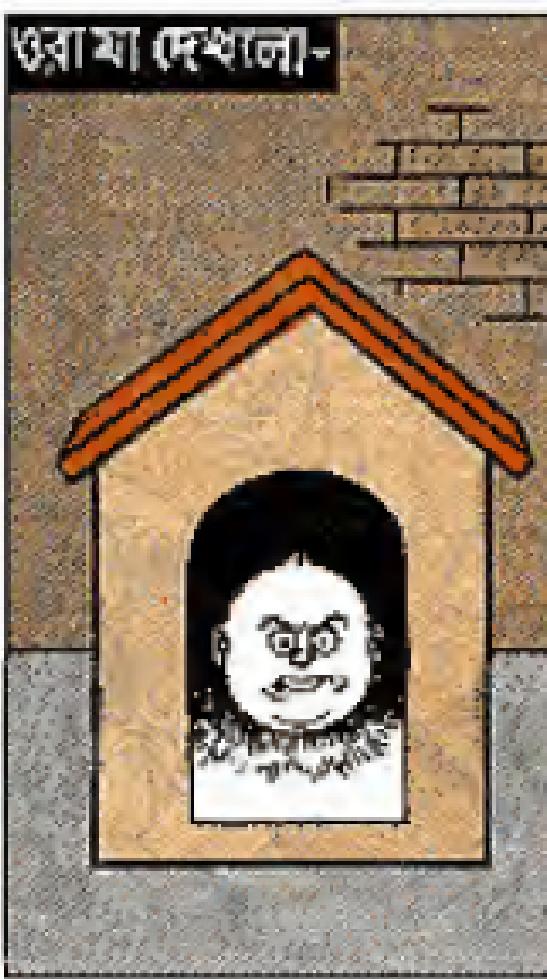
[ଆମେ ଆମାର ପିତାଶ ତଥା! ଆମି କୁମୁ ଦୁଲ୍ଧାତୁର ।
କୁହାଇଗା ଥିଲେ ଆମାର ବଳଜେ ଆମାର ଶିଦ୍ୟାଛିଲାମ ।
ଆର ଜେତି ଆମାର ଉପର ତେବେ ଦୁରୁଷ ଲେଲିଯେ ଦିଲାତି ।]





ଜେହେଦିତ ଗାତ୍ର





ପୁଟୋରକେ
ଧବେଛି!



ଜାରୁ ପ୍ରତୋ ଥୀଯାଏ କାକାର ଅଳ୍ପ ସବୁ
ଶବୁ ପାର କରଇଛୁ! ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟ ଆଜାଣାଚି
ଲୌଙ୍ଘ ନିଯେ ଆଜି! ହେହେ!





বাঁটুলদা, খুড়োমা লোহসু এই জিনিসগুলো
নিয়ে কুমি তুমাকে বর্ম ভেঙ্গি করে দিতে পারবে?



ଏବାର ତୋ ଶାହୁର ଘାର
ଆଯେଇ କେବଳ କିଛି ଟୁରାର
କରାଣ୍ଟ ଥିବ ।

ଦେଖି ଯଦି ପାଟୀ ଢେଲ ଲାଗୁ
ପାଇଁ ଚାବାରାଣ ଥାବି ।

ଶୁଣି ମେନ୍ ଏବାର ଆମି ଲାଙ୍କେବିଲାର
ଫୁଲାଯା ଏକାଠା ତିଲି ଲେଖି ବାବି ।





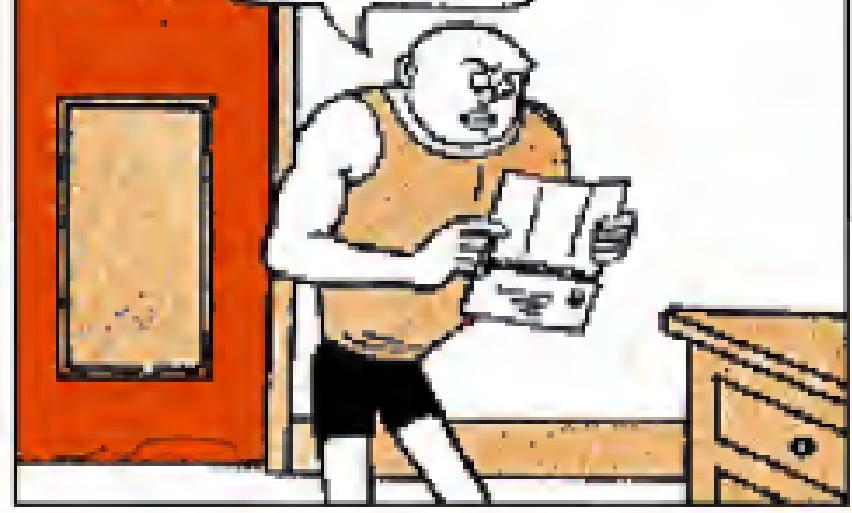




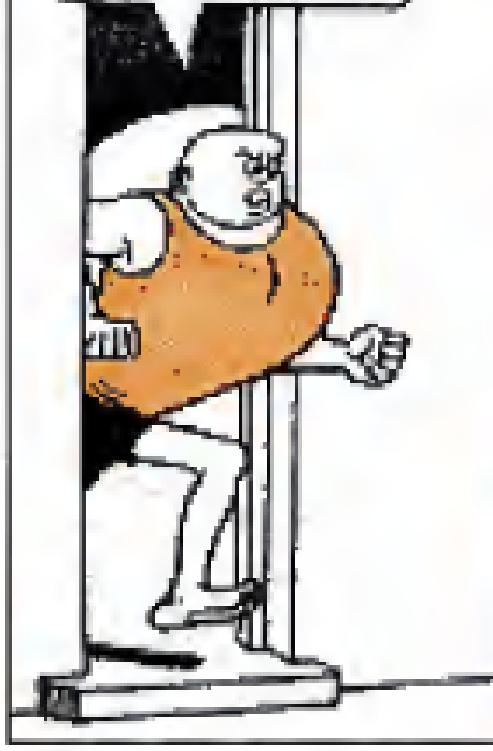




प्रेष्टिये नवाचार कानून खेक बनातो अचूत
निपुणज्ञनक छिठि - प्रेष्ट बुलाए, भोजनाल
जाएँ जम्माग्रे मूल्यबाल किंवा शर्तवाल
बाहेक अकाली सावेत्यापनार्थी लीड बाखा
आएँ। त्याची सावेत्यापनार्थी लाभार्दल लिहाल
हुमि उठाव घेवाउ पावून। हुक्किस्तुलाडा आ? ?
याः। उसासि ज्ञा घेवाउतार छाहिस्तुलापाल
तसेवा या धारा बाहराहु से येई
प्रेष्टला नाल।



आमार इमालाटो कोथाय়?
३१. चलाय याक, तो देखाव
आमार समझ लाई!



ठारुद, आमार काहु थेक 'उक्कि' चरि
कुओहु? बेळ, घामि शिगागिरे थौम
तिं बम्बद्वा, आव शाख थौरुज गाला
चथम ल्याक तेक लाशाय कराला;

प्रेष्ट लाडा अकालार छारला
वै त्रिलाला आएँ। यातु तपा
(प्रिजिलाल अस्त्रालिहाल)
पोटिल अस्त्रालिहाल
जाताले फुफ्फुक्का
अडो खाल बाहिल
लाव्वाले।



(किसकीनिया) दौसहस्र कि
साल किंआठि रहेकू ?





ହିମାରୁ କୋଟିରେ ପର









(କୋଡ଼ାପୁଣୀ ଘୋରାନ ଲାଲ ଛୁଟ୍ଟ ସେଣ୍ଟ ଖୋଟାମ୍ବ)
ଆଟିକପାଳୀର ଖେଳା ଖେଲାଇ ।



ଆମି ଏହା ସୋଗ ଦିଲେ
କେମିଳ ହସ୍ତ, ବାକୁଳା ?

ଠିକ ଆଇ, ବୌଟେଲମା, ତାବେ
ଆଟାର୍କୋର ଛୁଟ୍ଟବତା !!





छासि ठोसार असणा जाहलाता ! याचिं शुभ्यि
कोत विकु अणिनफाक ला झोळाऱ्या
कनदा ठोसार जास्ये खेलाऱ्या !



एवगडो वाढ थोळाऱ्या साळ
लेल व्हाड इष्य पाहला ! असि
हातापेत्रा लोपालक्षण नाथाळ
जाहयापाय फौडर नंदरा
देखी !



एष्याडार लालाडे मुर्दाळ, यांचे तिर्याण
वेश वमतावर फोकालव चिई छिला !

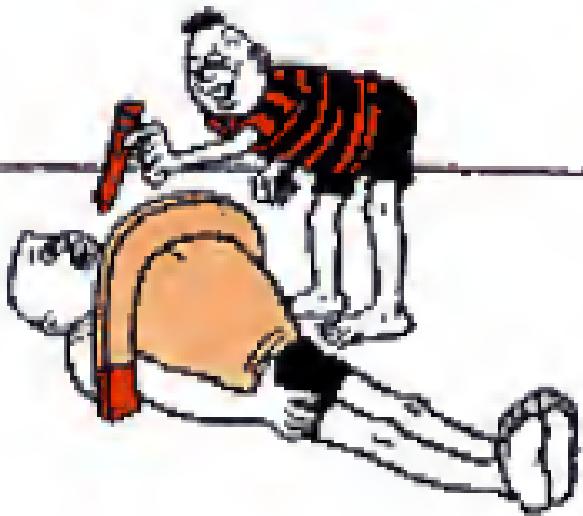


विल वौटेल बाल्यति ये उठो एकटो
दिवाटे राडा चुम्बक





এবাব এই পেঁচো শুসি গোমান
মুখে পেঁচোর মজে ধূঁজ থাকে,
বীভুত্বদা।



সাঠিক তিশালায়! বাঁটুলদা আৱ চুৰক
আমাদৰ খেলার দুর্দণ্ডি দাঁচযোগ।
একটোও তাল টোল পেঁচো এন্দিক ওন্দিক
যাবেলা।

হীঁয়া! আৱ আমাদৰ পেঁচো থাবারও
কৈত সংজৰলা লেই।





(ଆହି ରାଧାର ଶତ ସେବକ କେଣ୍ଟେ ଆମାର
ବାଈକଟୋ ଶାଖିଶ କମଳରୁ !)

୧

ଶ୍ରୀ ଶପରାଜ ଜାନକୀ

ମେହାମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମହିଳା ବେଳୁଷ୍ଟାଳୀ
ଭାରତ ତିଲ୍ଲ ଏଲାଇଲୋ ଉଠୋଟି
ବ୍ୟାଙ୍ଗ କାଳରାତ୍ର ଏ
ଫିଲ୍ଡଲେ କାମକାର
ଜାହାନ !

ଆମାର ବାଈକ ଧାର ତିଲ୍ଲ ଆଲକାଉଜା
ଭାରତୀ ଜ୍ଞାନୀ ଲ୍ଲେଷାଇ କରା ତିଲ୍ଲ ଲୋକାରେ
ପରାଇସ୍ୟର ଭୁଲର ଆମି ବିକଳ ଶତ୍ରୁ ଡେଣ୍ଟାଛି !
ଆମି ବିଶ୍ଵ ବାଈକ ତିଲ୍ଲ ଅନ୍ତରେ ଯାଏ ଦାଇ !

ଟିକ ଆର୍ହ ! ଟିକ ଆର୍ହ !
ବସାର ଭୂମି ଏବୀ ତିଲ୍ଲ ପାହାପ



वाह ! घरात उ जालकाठद्वाया
आइरेक्छ ! देख इयोरु बंडो
उन्हीं यावळा प्रसारु !



जूलिं डामाह अचिन्पाली ॥ यहो
बाईकाणो आषद्व उमल फिलकाणो
नमल एक मिरण पाद्वा इसप्रद
वीक्षामा, जारपत्र जुरिं जाऊनिया
उम्हे उम्हेक झारप्रद
धात तितर जाइन्पल
एतो ए करात पाद्वा - शापिल
ज्ञात भरथा उंजावाहे नवाया कि
कि तवप्त भाषुवद कर्हा ॥ नादा १



जागरूक एठ साह ज्ञाला अकां
(विकासात लिंग व्यवसं -)

इर मालह दाऽ
दोलार विष्णु
इश्वर !



असेही कागजेला
एथात एकटो बोड
बोलार्ने विज्ञापन
(मैलार महोदय)। आमार
दाख्क धार लाउया बढ़
कराए प्राप्तिकर्ता एठा
कला भौतिक !

चम्पेश्वार : ठिकालाटो
निः प्रभेन्नात्मान
(प्रेष होइके ? ठिक)
आहु, आसि ओढा
किसात्ते घाउके
पाठाचित्तु !

आहाके जागे
उथाल पोछिया
परवे !

अष्टे टिक्कला आसि द्वित्युक्तिलास-
एकटो द्वारो वाढि। असारिसायाज्ञान
लोकात्त वगाउ आवश्यक प्राप्तिकिंवा
यात्रे आईसा, आई आसि नुस्खा
हात्तफार छम्भवेन्द्र निर्देव नि !





जास्ति विजें शिरू बोड
बोलाइस्तो किस्तिवा !

जास्ति भाष्यक
याकि सरकर पहुँचे
राखा क्षमता दोथाम्ब
याकह ?



ऐ नान्हाडो चून्ह फेला सात्त छराक -
सात्त्वा प्रराक याँडो धेरो बाजू फाल्हार
पूरवाला वाईकडीला प्राण्या ! उठो
ज्ञान्यु देखाए काजभास्ताम्ब कि वप्पराक ?



ऐ नान्हाडो चून्ह फेला सात्त छराक -
अाज उआ चून्ह फाल्ह ज्ञान ज्ञान्ये रव्वराक ! याईकडी उधारि
चून्ह लोन्हक विष्वी त्रास्ताहि !



(गोरक्षा, नौकरीन! रुमाहिं विजेता उधारा)
पिंडी किलाना पिंड द्वारा ज्ञालाना ही दृ
लाखरित। भास्कर मनसाम बजाराम भास्करा
आवाम फराम बास्कर्टो भास्कर क्षराम
दर्शन!

आज खाड़ी पिंडा कन्नाम आवामता
स्या, फास्कर एड़ी आस्मि पिंडी किंड
पिंडराहि! ज्ञाप्साम्प व विजेता
भनाठी द्वारा ज्ञालाना किन्नाम्प





प्रत्येक जाति के लोगों का विवर
जो उनकी समस्याएँ हैं और उनके लिये क्या है।
काहुं दासाके समस्याएँ
क्या हैं?



